ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 04-07-2023

उधम सिंह नगर(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2023-07-04 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2023-07-05	2023-07-06	2023-07-07	2023-07-08	2023-07-09
वर्षा (मिमी)	25.0	20.0	15.0	20.0	25.0
अधिकतम तापमान(से.)	34.0	32.0	33.0	34.0	35.0
न्यूनतम तापमान(से.)	26.0	26.0	27.0	27.0	27.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	85	80	80	80	80
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	45	55	50	50	45
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	12	12	14	16	10
पवन दिशा (डिग्री)	90	90	100	110	90
क्लाउड कवर (ओक्टा)	4	5	8	6	8

मौसम सारांश / चेतावनी:

पिछले सात दिनों (27 जून - 3 जुलाई) में 146.4 मिमी बारिश दर्ज की गई तथा अधिकतम और न्यूनतम तापमान 30.0 से 36.0 डिग्री सेल्सियस और 24.4 से 27.4 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा । आसमान में अधिकांश दिन बादल छाए रहे। सुबह की सापेक्षिक आर्द्रता 0712 बजे 70 से 98% और शाम की सापेक्षिक 1412 बजे 51 से 84% के बीच रही। हवा की गति 2.4 से 7.1 किमी प्रति घंटे थी और हवा की दिशा अधिकतर उत्तर और उत्तर-उत्तर-पूर्व की ओर थी. आगामी पांच दिनों का पूर्वानुमान 04.07.2023 से 08.07.2023 तक हल्की से मध्यम बारिश का संकेत दे रहा है जो 15-25 मिमी के बीच रहेगी । अधिकतम और न्यूनतम तापमान के 32-35 डिग्री सेल्सियस और 26-27 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा . इस दौरान हवा की गति 10-16 किमी प्रति घंटे के बीच रहेगी और दिशा मुख्यतः पूर्व और पूर्व-दक्षिण-पूर्व होगी। चेतावनी: 05.07.2023 से 08.07.2023 तक के लिए बिजली चमकने के साथ बारिश/तूफान और तीव्र/अत्यंत तीव्र बारिश की पीली चेतावनी दी गई है।

सामान्य सलाहकार:

बरसात का मौसम है तो किसानों को सलाह दी जाती है कि वे पिछले सप्ताह के मौसम, मौसम का पूर्वानुमान जानने के लिए "मेघदूत ऐप" डाउनलोड करें और कृषि मौसम संबंधी सलाह और बिजली की जानकारी प्राप्त करने के लिए "दामिनी ऐप"। मेघदूत और दामिनी ऐप्स को गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉ इड उपयोगकर्ता) और ऐप सेंटर (iOS उपयोगकर्ता) से डाउनलोड किया जा सकता है। यह करने से उपयुक्त कृषि गतिविधियों के लिए सही निर्णय लेने में उनकी मदद होगी। पहली बारिश में जानवरों को भीगने न दें क्यूंकि यह त्वचा समबन्धी बिमारियों को न्योता देती है ।

लघु संदेश सलाहकार:

5 से 8 जुलाई, 2023 तक गरज और बिजली के साथ हल्की से मध्यम वर्षा की भविष्यवाणी की गई है, इसलिए किसानों को सतर्क रहने की जरूरत है।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
चावल	मध्यम किस्मो का प्रत्यारोपण जुलाई के प्रथम सप्ताह में और शीघ्र पकने वाली किस्मों का जुलाई के तीसरे सप्ताह तक पूरा हो जाना चाहिए। रोपाई के दौरान लाइन से लाइन की दूरी 20 सेमी और पौधे से पौधे की दूरी 10 सेमी या दोनों तरफ की दूरी 15 सेमी रखनी चाहिए। एक पहाड़ी पर 2-3 पौधे रोपने चाहिए। पौधों को 2-3 सेमी गहराई पर लगाना चाहिए।
मक्का	मक्का की बुआई जुलाई के प्रथम पखवाड़े तक सुनिश्चित कर देना चाहिए और इन्हे मेड़ों पर बोना चाहिए । बुआई से पहले बीजोपचार करना चाहिए.
सोयाबीन	स्टेज :बुआई सोयाबीन की बुवाई का भावर एवं तराई में उपयुक्त समय जून के अंतिम सप्ताह से जुलाई प्रथम सप्ताह तक है। सोयाबीन की उन्नत प्रजातियों पी एस- 1024, पी एस- 1042, पी एस- 1092, पी एस 1241, पी एस 1347, पी एस 1225, पी एस 19 आदि का प्रयोग करें। बीज दर 75किग्रा/है0 रखें। बीज को राइजोबियम कल्चर से उपचारित करें।
मूँगफली	स्टेज :बुआई मूँगफली की अच्छी उपज के लिए उर्वकों का प्रयोग आवश्यक है पर यह परिक्षण के आधार पर उपयोग करना चाहिए। यदि परिक्षण न किया गया हो तो नत्रजन 20 किग्रा0, फास्फोरस 40 किग्रा0 और पोटाश 45 किग्रा0/है0 तथा 200 किग्रा0 (आधी मात्रा) जिप्सम व 4 किग्रा0 बोरेक्स का प्रयोग करे। यह मात्रा बुवाई के समय बीज से लगभग 2 -3 से मी गहराई में डालना चाहिए।
गन्ना	मानसून की शुरुआत को ध्यान में रखते हुए सलाह दी जाती है कि जल निकासी का उचित प्रबंध होना चाहिए खेत में रख-रखाव करें और जड़ की सतह पर थोड़ी मात्रा में मिट्टी लगाएं गन्ना।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
भिण्डी	वर्षाकाल में 10-12 किग्रा भिण्डी के बीज की आवश्यकता होती है। बोने से पहले बीज का उपचार कवकनाशी दवा से करें बीज बुवाई की दूरी कतार से कतार 60 सेमी तथा पौधे से पौधे की दूरी 30 सेमी रखें तथा शेष पौधों को उखाड़ दें।
कद्दू	स्टेज: तुड़ाई कद्दु वर्गीय फसलों की पत्तियो पर अनियमित आकार में पीले धब्बे दिखाई पड़ने पर पत्तियो को उलटकर निरीक्षण करें यदि निचली सतह पर हल्के धूसक रंग की फॅफूदी की बढ़वार दिखाई दे तो नियत्रंण के लिए मेन्कोजेब 2.5 ग्रा0/ली0 की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें। रसायनों का छिड़काव मौसम पूर्वानुमान को ध्यान में रखकर करें।
हल्दी	स्टेज : रोपण खरपतवार निकालने तथा खाद देने के बाद पौधे के आस पास मिटटी चढ़ाना जरूरी है ताकि प्रकंदो का विकास भली भांति हो सके और वह सूर्य के प्रकाश से बचें रहे। खरपतवार की समस्या भली भांति बिछाई पलवार में नहीं आती है। बारिश के मौसम में आवश्यकता अनुसार सिंचाई देनी चाहिए।खेत में जल निकास पे ध्यान दे।
अदरक	स्टेज : रोपण अदरक की खेती खुले वातावरण की अपेक्षा 25-50 % आंशिक छाँव में करने पर गुढ़वत्ता तथा उपज में वृद्धि होती है । खेत में जल निकास पे ध्यान दे।
मिर्च	स्टेज: तुड़ाई मिर्च में थ्रिप्स के नियंत्रण हेतु लैम्डा साइहैलोथ्रिन 5 इसी 300मि0ली0/है0 या फिप्रोनिल 5 एस0सी0 1लीटर/है0 की दर से छिड़काव के सात दिन बाद ही मिर्च का प्रयोग करें। रसायनों का छिड़काव मौसम पूर्वानुमान को ध्यान में रखकर करें।
टमाटर	चरण: तुड़ाई किसानों को पकी हुई टमाटर की फसल की तुड़ाई करनी चाहिए। वर्षा के बाद रोग लगने की संभावना रहती है इसलिए संक्रमित पौधों को नष्ट कर दें और रस-चूसने वाले कीड़ों को नियंत्रित करने के लिए सर्वद्देशीय कीटनाशकों का छिड़काव करें। झुलसा रोग के प्रकोप से बचाव के लिए मैंकोजेब 2.5 ग्राम/लीटर या कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 3.0 ग्राम/लीटर को पानी में घोलें और छिड़काव करें। किसान भाइ ध्यान रखें कि छिड़काव मौसम के पूर्वानुमान को देखते हुए करना चाहिए।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	पशुओ को संक्रामक रोग से बचाने हेतु टीकाकरण करवायें। मानसून के प्रारम्भ में अचानक तेज धूप व तेज वर्षा से पशुओं को बचायें क्योंकि इसकी वजह से त्वचा में जलन जैसा विकार उत्पन्न हो जाता है। इस ऋतुओं में कृमियों का प्रकोप बढ़ जाता है और इससे बचने के लिए कृमिनाशक का उपयोग निकटतम पशु चिकित्सक की सहायता से करें। मौसम पूर्वानुमान को देखते हुए, पशुशाला में वर्षा के जल को एकत्र न होने दे तथा जल निकासी की व्यवस्था रखें।
भेंस	पशुओ को संक्रामक रोग से बचाने हेतु टीकाकरण करवायें। मानसून के प्रारम्भ में अचानक तेज धूप व तेज वर्षा से पशुओं को बचायें क्योंकि इसकी वजह से त्वचा में जलन जैसा विकार उत्पन्न हो जाता है। इस ऋतुओं में कृमियों का प्रकोप बढ़ जाता है और इससे बचने के लिए कृमिनाशक का उपयोग

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
	निकटतम पशु चिकित्सक की सहायता से करें। मौसम पूर्वानुमान को देखते हुए, पशुशाला में वर्षा के जल को एकत्र न होने दे तथा जल निकासी की व्यवस्था रखें।